



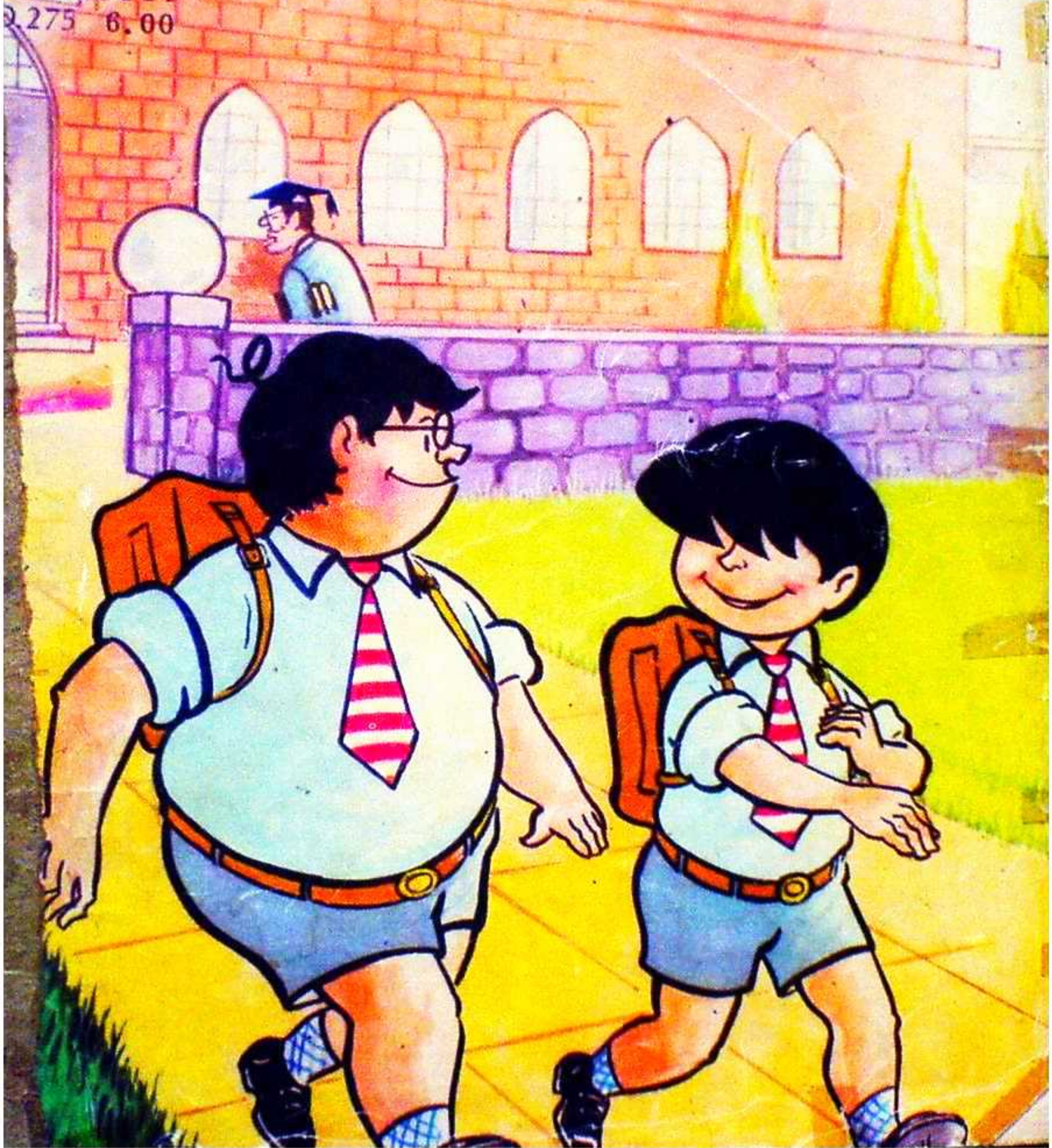
Get More Visit : <http://hindicomics.blogspot.com>



डायमण्ड
कॉमिक्स

275 6.00

पार्ट ०। बिल्लू का होमवर्क





कार्टूनिस्ट प्राण

बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी को 'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रकाशित रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिकी', सारे में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आयाम 1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकादश बनाई गई कॉमिक्स 'रमन - हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया. 19 का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - "अगर मैं टैक्स और महंगा बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूँ तो अपने मकसद को सफल समझूँगा."

— प्रकाश

यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण की विरचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म कसूर नाम छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकिस्तान विभाजन के बाद उनका परिवार खालियर बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्बई में आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका करियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दिल्ली हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का पूरा में एकाधिकार था. प्राण ने इस एकाधिकार समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों को स्थानीय विषयों और समस्याओं पर क

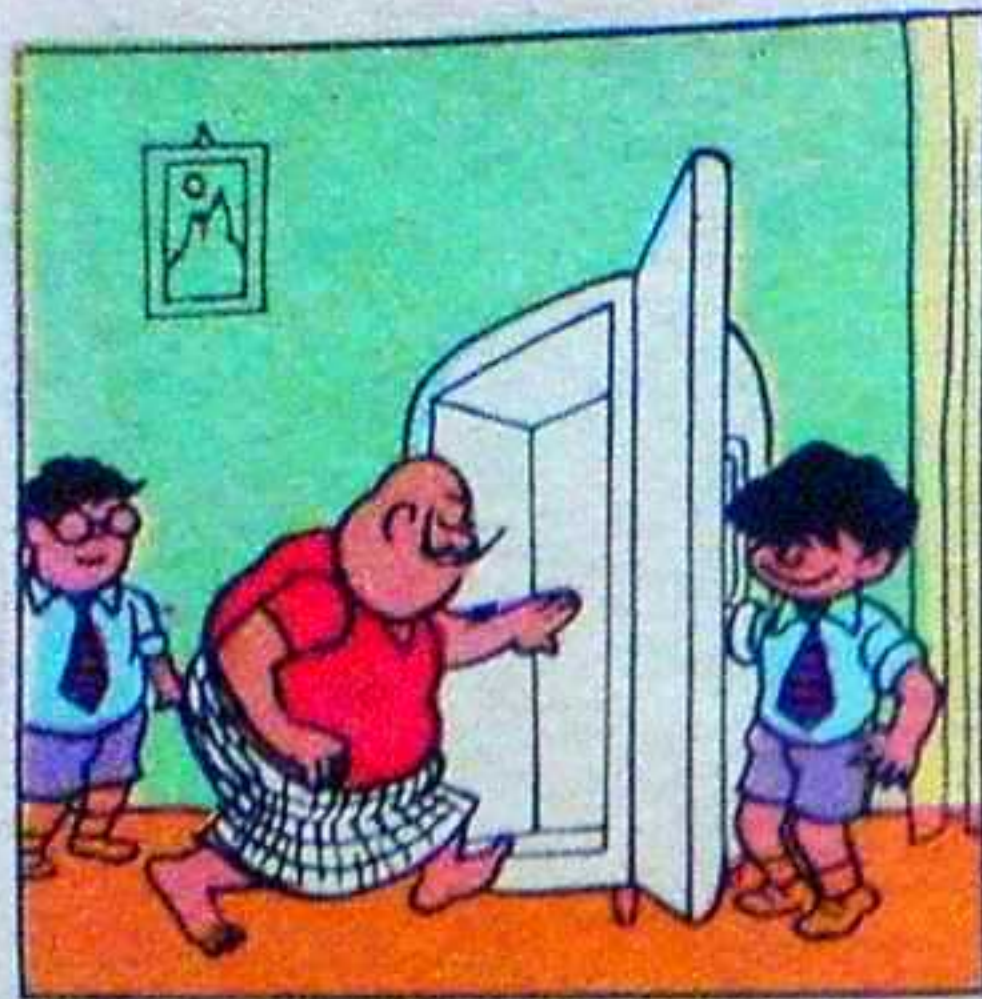
बिल्लू का होमवर्क

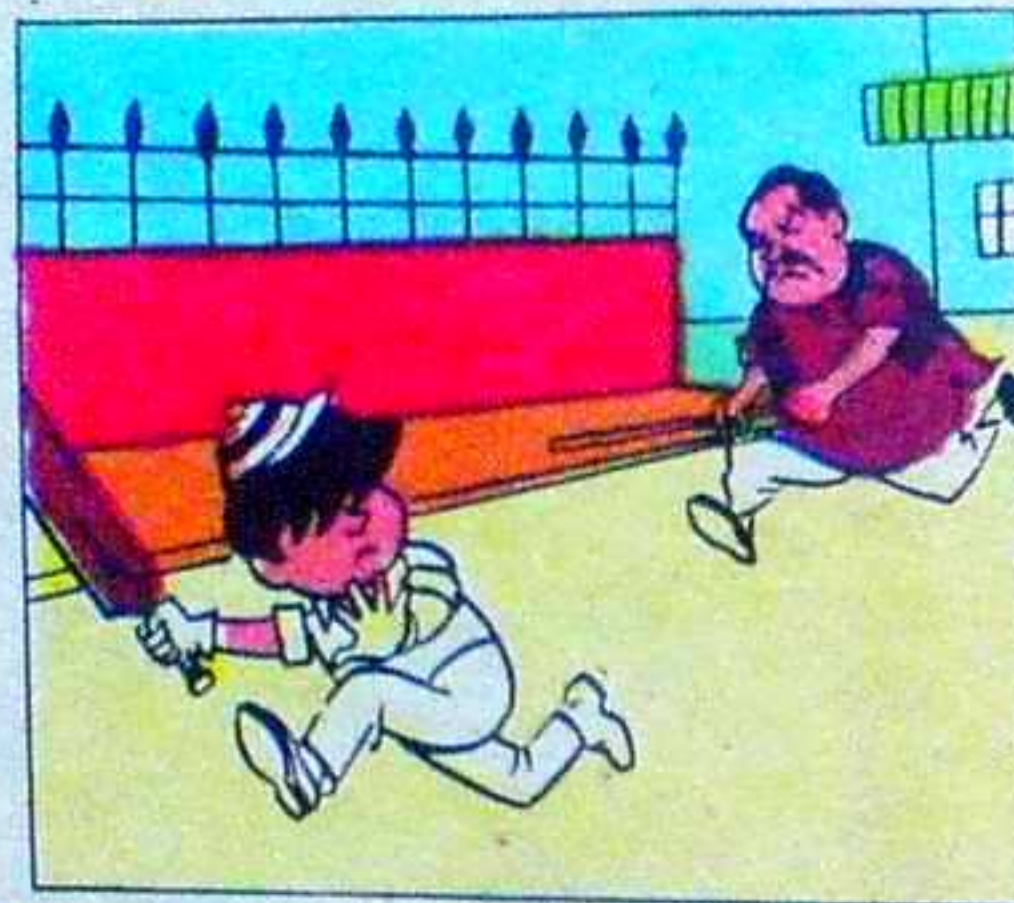


प्रकाशक : डायमंड कॉमिक्स प्रा.लि., 2715, दरियागंज नई दिल्ली-1100

सम्पादक : गुलशन राय

मित्रक : बेस्ट फोटो आफसेट प्रिन्टर्स, खोजला रोड, नई दिल्ली







आओ, मेरे साथ.



अंदर चले आओ!



बैंड मास्टर! मैंने मकान मालिक से किराया तय कर लिया है. तुम मजे से यहाँ रहो.



और कुछ अरसा बीत गया.

धम-धम!



इस मकान मालिक ने हमें बिल्कुल नहीं निकाला. मैं तुम्हारा बड़ा एहसानमंद हूँ. तुम्हारी शादी में मुफ्त में बैंड बजाऊंगा.

ऐसा न करना, वरना सारे बाराती भाग खड़े होंगे.



बिल्लू मास्टर! एक बात बताओ? इस मकान मालिक ने हमें क्यों नहीं निकाला?



क्योंकि वह जन्म से बहरा है!



बम्पी डम्पी



बिल्लू, गबदू! आओ, साइकिल दौड़ हो जाय!



बम्पी-डम्पी! हम अंदर से पानी पीकर आते हैं. फिर साइकिल दौड़ होगी.



बम्पी! सुना है बिल्लू बड़ी तेज साइकिल चलाता है.



अरे डम्पी, फिक्क क्यों करता है? बिल्लू गबदू अंदर गए हैं. पीछे से मैंने उनकी साइकिल के दोनों टायरों में कीलें चुभो दी हैं. थोड़ी दूर जाते ही गह पकचर हो जायेंगे.



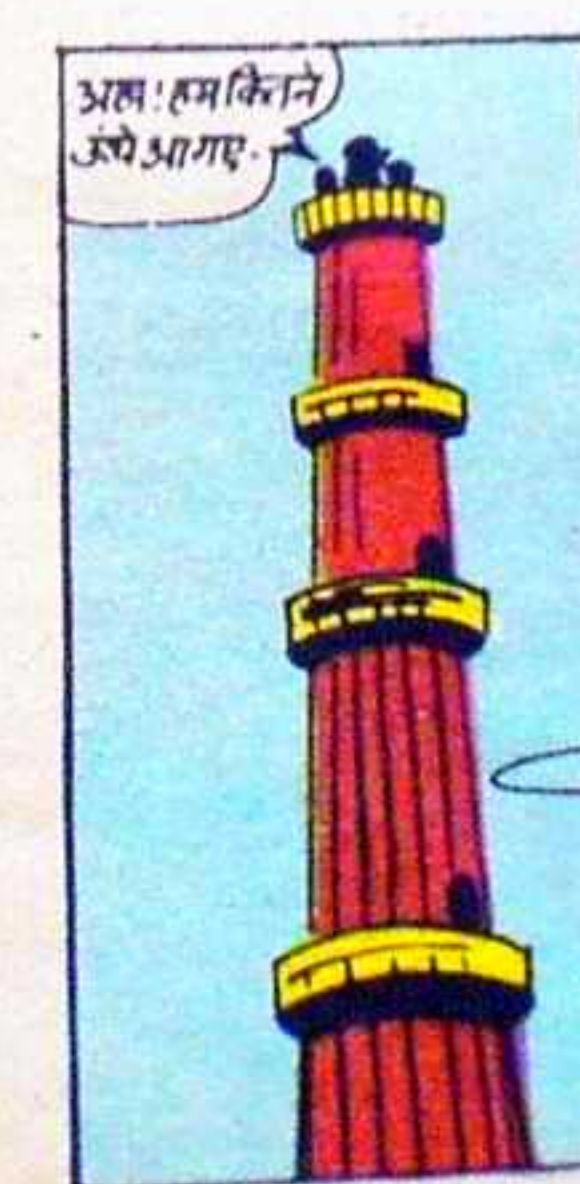
बम्पी-डम्पी! हम आ गए! चलो साइकिल दौड़ हो जाय.



भार बम्पी! हम पीछे रह गए.



रूपया

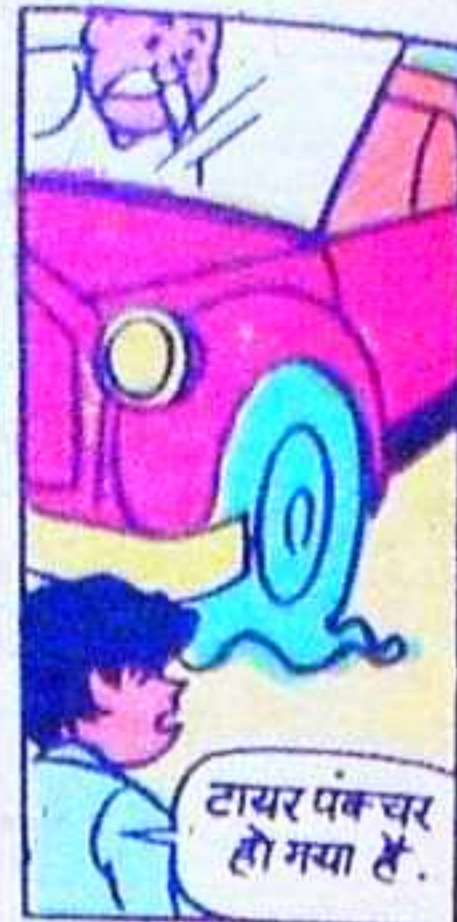


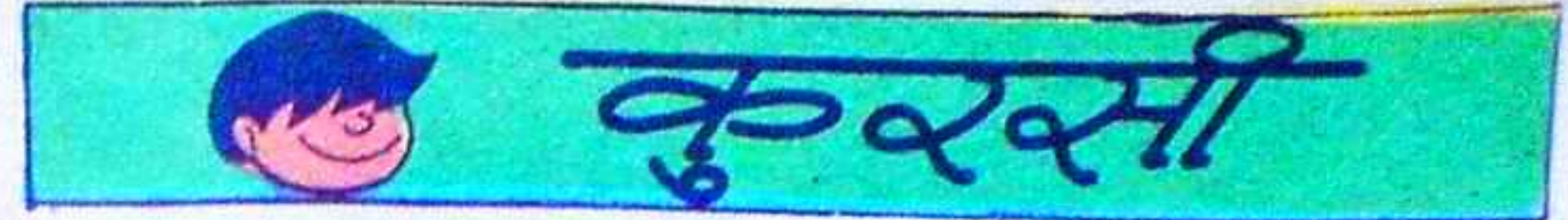


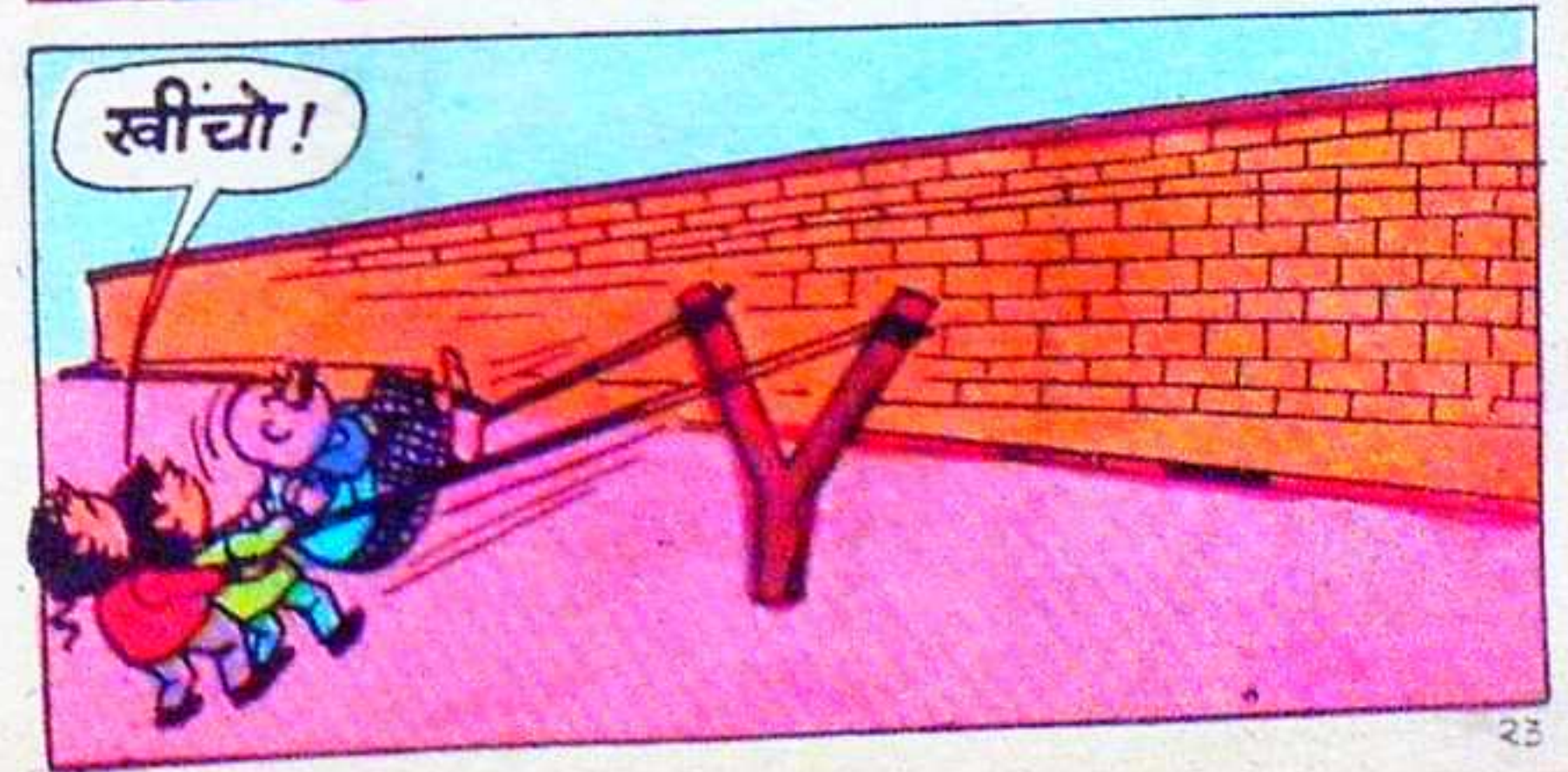


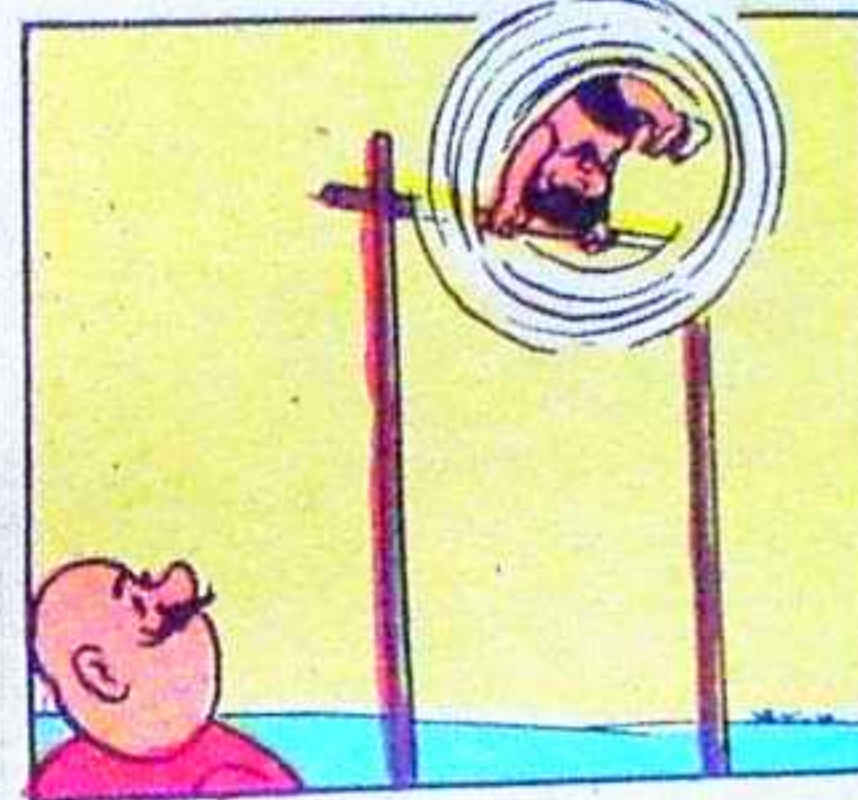
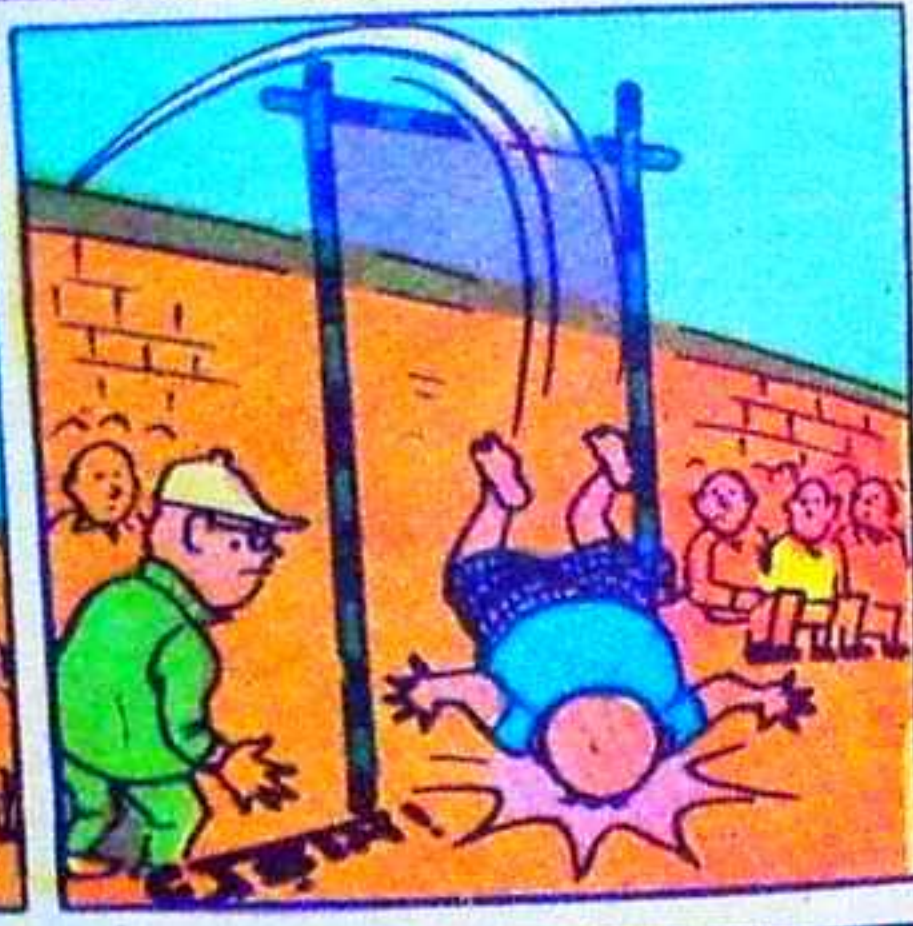
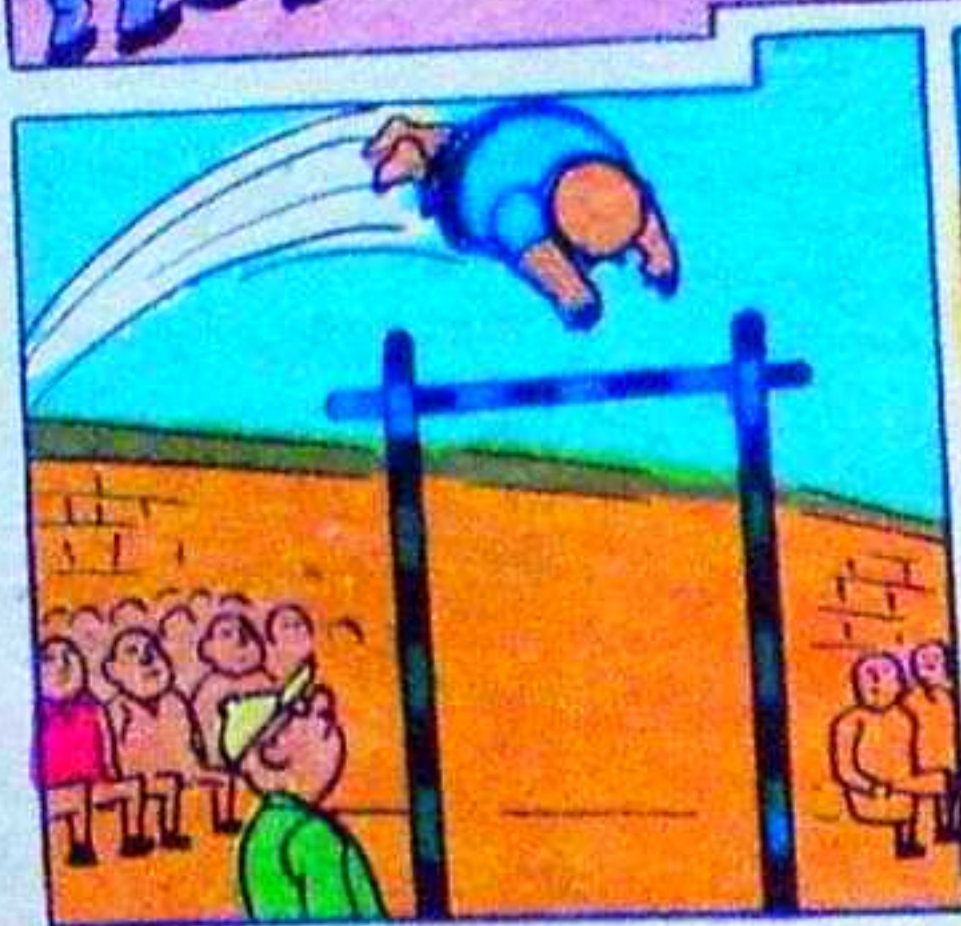
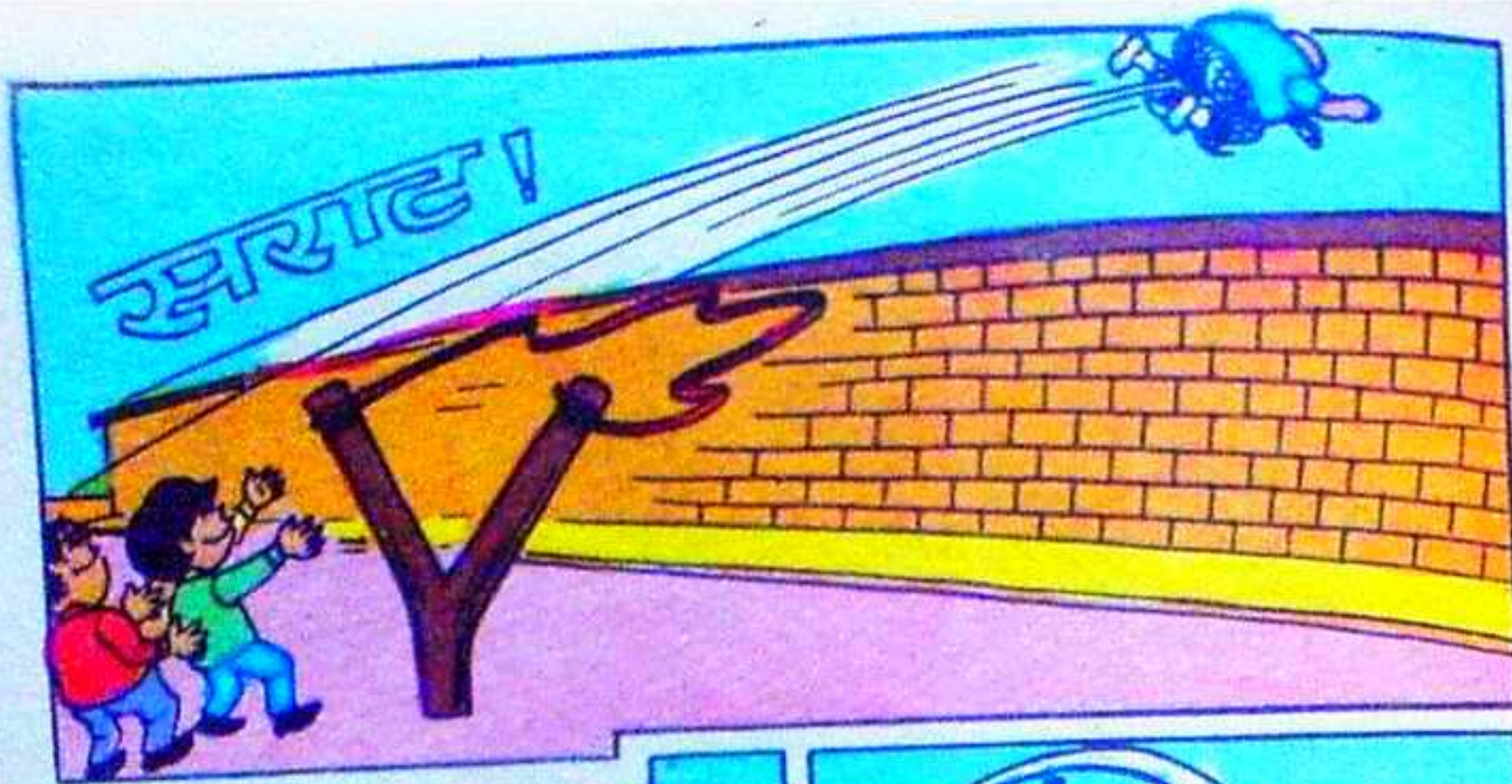


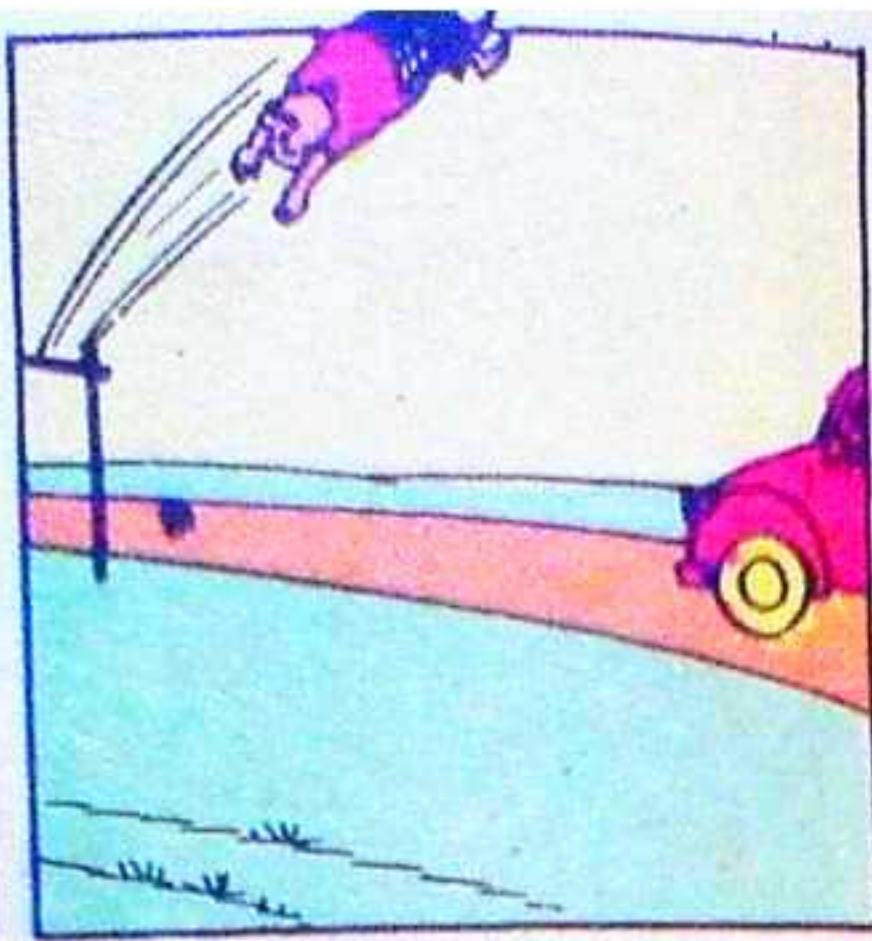












सखी की पूंछ
छिंटकर उधली.



बचाओ! मेरे
कपड़ों में आग!



महाराज! इस कपड़े को दूर फेंको!



धड़ाम! धड़ाम!

ओह! ये
पटाखे में
दीवाली के
लिए खरीद
कर लाया था!



हा! हा!



गब्बू और योगाभ्यास

कहो भाई गब्बू! क्या बात है?
आज कुछ परेशान नजर आ
रहे हो.



कमबख्त मुहल्ले भर के लड़के
मुझे परेशान करते हैं. मोट-मोट
कह कर चिढ़ाते हैं.



तेरे मोटापे को दूर करने का तरीका
मेरे पास है.



योगासन कर. तेरी सारी
चर्बी छूट जायेगी.

लेकिन यहाँ योगासन
कैसे लगाया जाता है?



अच्छा? जल्दी
बता.





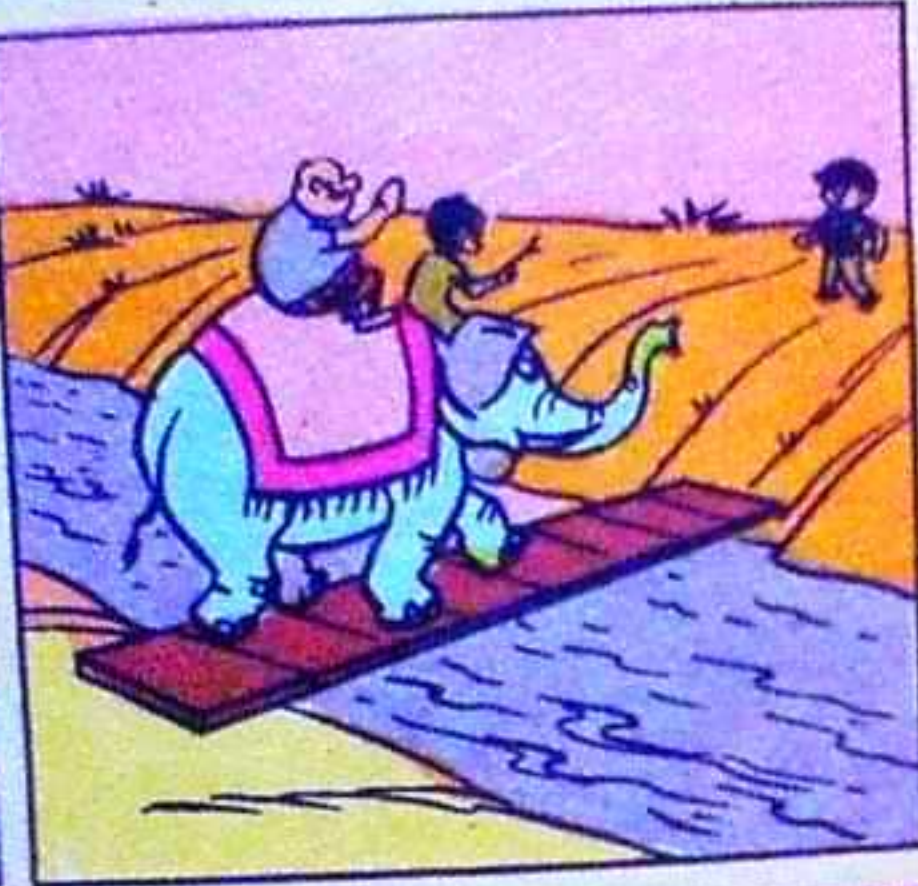


खिल्लू की ट्रिक



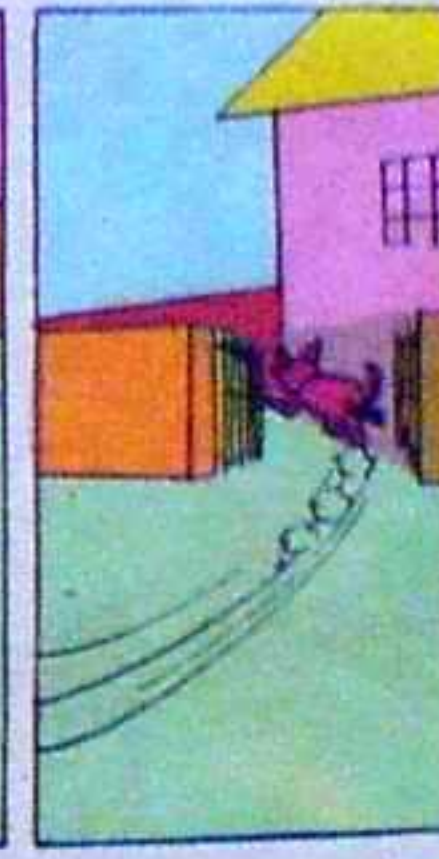
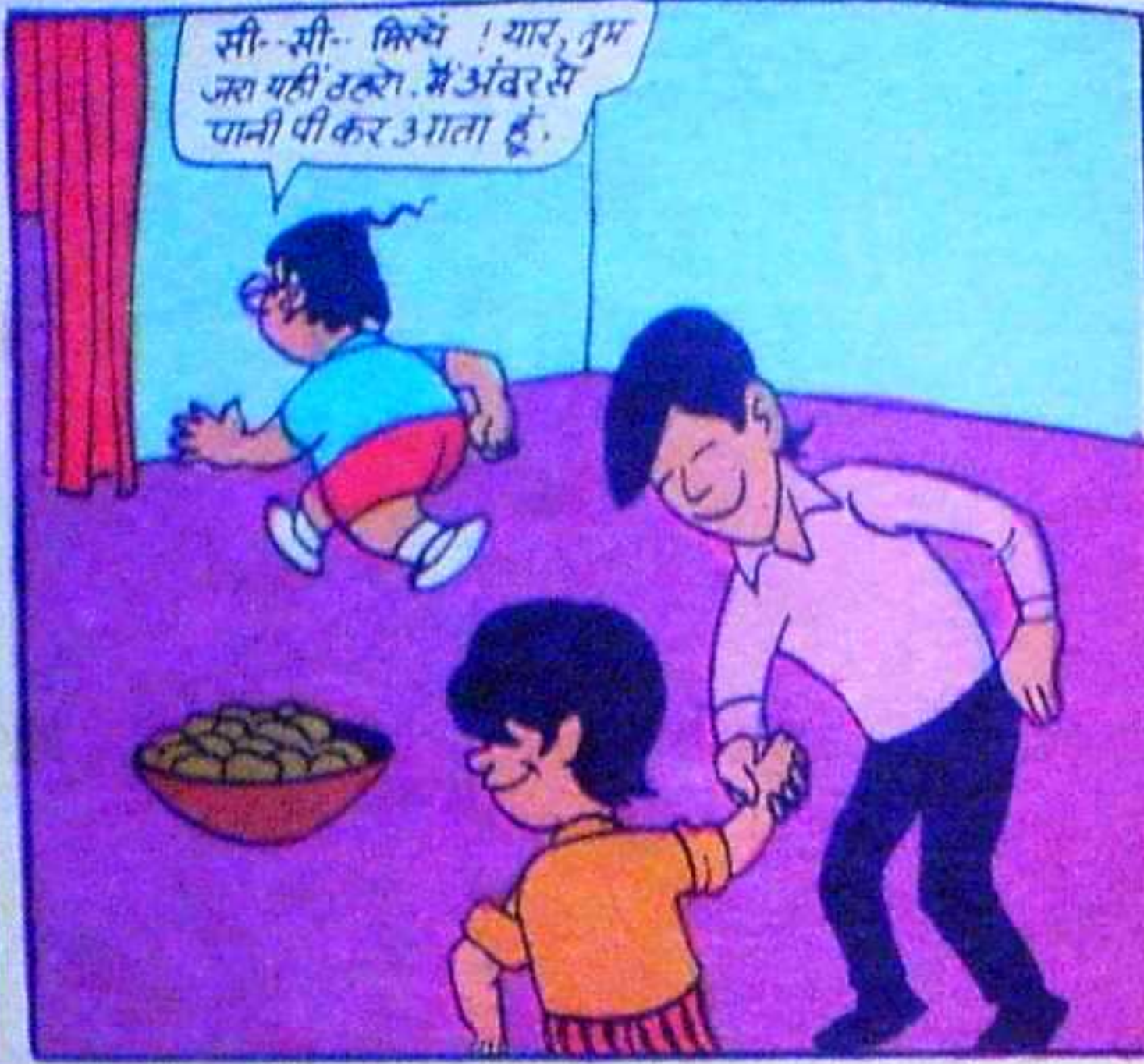






चीकू और समोसा





डायमंड कामिकस में



विश्व भर में
कम्प्यूटर से तेज़ विभाग
वाला एकमात्र व्यक्ति
चाचा चौधरी और
ज्युपिटर वाली साबू एक बार फिर आये हैं। मनोरंजन
और एक्शन से भरपूर नयी कामिकस

चाचा चौधरी अस्मान अली फारमान अली



चाचा चौधरी के अन्य कारनामों

चाचा चौधरी राका से मुठभेड़
चाचा चौधरी और गुलामों की बिस्की
चाचा चौधरी और रोबोट
चाचा चौधरी और हीरो की खेती
चाचा चौधरी और साबू पर हमला
चाचा चौधरी और चंपत संपत
चाचा चौधरी और राका का इंतकाम
चाचा चौधरी और हकीम जमालगोटा
चाचा चौधरी और पलीते की कमर
चाचा चौधरी और पोपटलाल
चाचा चौधरी और उड़ने वाली कार
चाचा चौधरी और हाथी का व्यापार
चाचा चौधरी बिल्नु और पिंकी
चाचा चौधरी और राका की बापसी
चाचा चौधरी का घमाका
चाचा चौधरी और साबू की शादी
चाचा चौधरी अमेरिका में
चाचा चौधरी और साबू का बूट
चाचा चौधरी और क्रिकेट मैच
चाचा चौधरी और रहस्यमय चोर
चाचा चौधरी और राका
चाचा चौधरी और साबू काले टापू पर
चाचा चौधरी और कैप्टेन मसाला
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे
चाचा चौधरी और बोलान में जिन
चाचा चौधरी और गधवर सिंह से टक्कर
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण
चाचा चौधरी अन्तरिक्ष में
चाचा चौधरी और ज़ादमतोर
चाचा चौधरी और साबू का हथौड़ा
चाचा चौधरी और शिकारी
लकड़हंगा सिंह
चाचा चौधरी और मैडम जारो
चाचा चौधरी का इलाक

डायमंड कामिकस प्रा. लि.
वरियागंज, नई दिल्ली - 110002

डायमंड पाकेट बुकस में



आप अंग्रेजी जानते तो हैं-
लेकिन ठीक ढंग से बोल नहीं पाते।
क्या आप अच्छी अंग्रेजी
बोलना सीखना चाहते हैं तो
आज ही खरीदिये अंग्रेजी
बोलचाल सिखाने वाला एक प्रभावी कोर्स

डॉयमन्ड इंगलिश स्पीकिंग कोर्स

जो आपको कुछ प्रभावित राज्य
और राज्य नहीं रखा तो बोलिये अंग्रेजी भाषा
की महारत को समझकर उस पर पुरा अधिकार करने
को महारत को न बोलने से जो हीन भावना पर कर जाती है उसे दूर करके
मूल्य 28/- शक मूल्य 5/-

डायमंड कामिकस में

आप क्रिकेट सीखना चाहते हैं या आप क्रिकेट जानते तो हैं लेकिन उसके
नियमों व खेल की तकनीक को पूरी तरह से नहीं जानते तो आज ही
'डायमंड कामिकस' में 'प्रकाशित' क्रिकेट कैसे खेलें' (चार रंगे चित्रों से
क्रिकेट सीखाने की पूरी जानकारी) हिन्दी व अंग्रेजी में एक साथ प्रकाशित।
भारत में पहली बार
प्रकाशित हर क्रिकेट प्रेमी
के लिये जरूरी पुस्तक।

क्रिकेट कैसे खेलें

मूल्य 6/- शक मूल्य 2/-



डायमंड पाकेट बुक्स प्रा. लि.
2715, गंगानगर, नई दिल्ली - 110002

डायमन्ड इंगलिश स्पीकिंग कोर्स



डायमंड पाकेट बुक्स

सस्पेंस, थ्रिल, रोमांच, इन्वेस्टीगेशन से भरपूर

राहुल

का नया रहस्यमय उपन्यास

भूत साजिश

राहुल के अन्य उप

खून की प्यासी मां	10.00
झूठी साजिश	10.00
जिंदा लाश	10.00
मौत के सौदागर	10.00
खूबसूरत लाश	10.00
लाशों का अपमान	10.00
चैलेंज	10.00
ट्रिपल क्रॉस	6.00
दोषी कौन	6.00
गहरा दाग	6.00
दूसरी औरत की मौत	6.00
नहले पर दहला	10.00

समीर के अन्य उपन्य

धन दोलत	10.00
बौदश	10.00
तीन सहेलियां	10.00
इंसाफ का मंदिर	10.00
दूसरी शादी	10.00
बनियाद	10.00
औलाद का सुख	5.00
दूर के राही	6.00
प्यासी सीप	6.00
नकाब	6.00
सुख दुख	6.00
आग	6.00
कलयुग का भीष्म	6.00
मैं फिर आऊंगी	6.00
टूटते सपने	5.00
सुहाग की लाज	6.00
अधूरी पत्नी	6.00
छेदी बहू	6.00
पति परमेश्वर	6.00
एक ही रास्ता	6.00

लाहें, पाठकों के प्रिय उपन्यासकार

की लेखनी से

नया अछूता उपन्यास

समीर

बौदश

डायमंड पाकेट बुक्स प्रा. लि.